>

Title: Regarding setting up of Ethanol production unit in government Sugar mills.

श्री अजय मिश्र टेनी (खीरी) : सभापति महोदया, मैं लखीमपुर लोक सभा क्षेत्र से आता हूँ, जो देश में सबसे ज्यादा चीनी उत्पादन का क्षेत्र है । मैं सरकार को वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट में पांच करोड़ गन्ना किसानों को राहत देते हुए, 4100 करोड़ रुपये से अधिक की कई योजनाओं द्वारा सीधे गन्ना किसानों के खाते में पैसा भेजने के अलावा सरकार ने घरेलू एथनॉल रेक्टिफाइड स्प्रिट और एल्कोहल के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए एथनॉल पर आयात शुल्क बढ़ा कर चीनी मिलों को राहत दी है, जिससे किसानों के गन्ना भुगतान में मदद मिलेगी । ऐसे सभी चीनी मिलों में जहां एथनॉल उत्पादन की इकाइया नहीं हैं, को एथनॉल उत्पादन शुरू करने का अवसर दिया है । पेट्रोल में दस प्रतिशत मिश्रित करने और कैमिकल उद्योग में एथनॉल की भारी मांग को पूरा करने के लिए एथनॉल उत्पादन बढ़ाना जरूरी है । चूंकि चालू पेराई सीजन में चीनी उद्योग से 285 करोड़ लीटर एथनॉल उत्पादन का अनुमान है । जो हमारी जरूरत से कम है तथा पांच प्रतिशत आयात बढ़ा कर इसकी कीमत बाहर से लाने पर 42 से 44 रुपये प्रति लीटर रहने की संभावना है] जो भारत में उत्पादित लाभदायक मूल्य से अधिक है । इसलिए भी चीनी उद्योग को एथनॉल उत्पादन से अच्छा सहयोग मिलने की संभावना है, जिसका सीधा लाभ गन्ना किसानों को होगा । प्राइवेट सैक्टर की ज्यादातर चीनी मिलों में एथनॉल के प्लांट लगे हैं या लग रहे हैं । परंतु सहकारी क्षेत्र की चीनी मिल्स व भारत सरकार द्वारा संचालित चीनी मिलों में आम तौर पर एथनॉल के प्लांट नहीं लगे हैं । उदाहरण स्वरूप उत्तर प्रदेश राज्य की कुल 158 चीनी मिलों, जिनमें 24 मिलें सहकारी क्षेत्र की हैं, उनमें मात्र आठ चीनी मिलों में एथनॉल का उत्पादन प्रारंभ हो गया है या प्रारंभ होने की प्रक्रिया में है । परंतु बड़ी संख्या में सरकारी व चीनी मिलों में सुविधा न होने के कारण प्राइवेट चीनी मिलों से व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा व किसानों को भुगतान आदि से संबंधित कठिनाइयां आती हैं ।

माननीय सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि मेरे लोक सभा क्षेत्र लखीमपुर खीरी की सभी मिलों में जो नौ चीनी मिलें हैं, देश का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक जिला है, सभी प्राइवेट सैक्टर सहित हमारी बिलराया शुगर फैक्ट्री की सहकारी चीनी मिल में भी एथनॉल उत्पादन की इकाइयां व विपणन की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने की कृपा करें।